



गा ॥ वाकं जाकिनि सर्वगगनयायिगः यजिगवजा आशा ऊरुतिनिगमानसवा
 धिहिसलव २ अरुह रुनसिद्धिपुडागा ॥ ५५ ॥ गिरुमाधिजागवममुविन्याः
 सिरसुदवपलियुद्ध २ कावुयारयानमृलयकयी ॥ अदयतसुखदियात्र ॥
 विश्वकलिसमथरुकासजागं २ दं गागसुखलवी २ विश्वयीकजमथ अदय
 त्रयी २ सुखदवसंस्ति ॥ ५६ ॥ गुरुयतनसिर्गगधत्रिया २ नयिगथग
 गवज २ गिरुहवनयायिगः गलसुखलव २ रुसिग्य गगगनसिनी ॥ ५७ ॥

॥

॥ १ ॥ अविगाव को । गदिपुत वृषी ॥ ग्रा ५ वसे माता । गिरुहवन
 जा ॥ साजाव वसे माता । मृदु का ॥ ददा ॥ गगपयतायमडा न

॥ २ ॥ ॥ गगनासग ॥ ठासदुजमा ॥ अरुहसगथगवकासरायः नत्र
 त्रयगिगिगविठिलकसरी २ अरुहकासवजामृगमृदकः सकसीधधाग
 सनमृगमयः २ डासमृगसरीवाधिरुतदायकः सर्वजिनयायिगसुहजक
 तसी ॥ ५८ ॥ ऊगगमससाधिरुः शन्यककरनारुवः सीसासनासनवितकुकर
 यी ॥ ५९ ॥ वजयसमानमयगी ॥ अदसीयुर्कः सखससाधिरुतयिगुखी २ रुका
 समनुयससंगवधनीः वजससाधिरुतवियाककसरी ॥ ६० ॥ घटमसराग

॥ १ ॥
 ॥ २ ॥
 ॥ ३ ॥

दा
 शक्ति
 गुरु
 रा

ववृद्धामकपीरुर्कध्वस्यरुपीरुदवास्तनसयुमादिताहदया ॥ ॐ ॥ १ ॥
आगुरुदीर्घस्यवनकतिरुदमरुदीर्घध्वनिवित्तमाजानीनु ॥ ॐ ॥ १ ॥
॥ ॥ राग ॥ ॥ तारमाय ॥ जैयैवास्तुतिदंविः केवदविद्यंनमीरसयन
मरास्तवैतिगुरुच ॥ गुरुहृत्तगवगियादकमतमहिमीदिननायस्तन
ननुनकागारहाउमहादआहस्तनविहविगः नायुनदीकउसागारगिधी
माननिनयागनीगुरुहना ॥ ॐ ॥ केतुगखयैतवीतिः नुदमासविहारी

गार्केश्वरलौगभांताः मेककलीदगंमनां ॥ ॐ ॥ गितनिमिर्भंतमी
त्रिःविनयवसंगगांरुकेमुतिकेयुसगहंसनूठयांतां ॥ ॐ ॥ हनयिश्च
संसर्वजवाकुरुतिजाम्यंरुवनमामिवजंजोगाद्याः केजामहिहवयास्यं ॥ ॐ ॥
सत्रिससतिससितगसितनायस्तयथउगो गारगिनितिनितानयधनह
हनां ॥ ॐ ॥ १ ॥ ॥ रागहेरायि ॥ ॥ ॥ नमार्हकात्रनरुवधरु
खरुविसखउगातमरुव ॥ गुरुनार्हंनार्हंनार्हंनार्हं ॥ ॐ ॥ धवंत्रस

हरिवयदहंधर २ सात्रदसाहियकासमरुव ॥ ध्रु ॥ दंडातिगद्यगोमीध
 २ वज्रदीध २ सात्रदसाहियकासमरुव ॥ ध्रु ॥ मायाविदतिनीज २ साहियवज्रसत्य
 लयम्वन ॥ ध्रु ॥ १ ॥ ॥ रागसमरुव ॥ टाल ॥ गिरकतेतविमभिर्मधु
 लमाडे; लिगिआनउमरुगिधना २ वज्रवा नाह आतिगद्यसम्वन; नानातस
 निमिदंड २ ना २ गहनार्दकं नह नाहं कं गहन गगदुदुदु जात्रा ॥ ध्रु ॥
 नितवर्धयउवकायगिस्वराग नहल; यतमीनीउमरुगिधना २ विश्वद

[illegible]

ॐ नमः ॥

न-दाकिनि आसिगना ॥ गह नहं हं गह नागहं हं हं ॥ ॐ ॥ दाहि नगजस्यवा
मध नृधसुतकृय गगवु कृकया नाश्वजु घकृयि य नायनसुतुतिः युहसिगका
युगुता ॥ १ ॥ युनुमवजयुनुमाधवतगवगिया व नृयमुगिदृययदा ॥ ॥
हवउहवउसुवृधनमाययः सुवृजगगान नरविधिमामतया द्वाविनासनः
सिधिसिद्धि वस्यदागा ॥ २ ॥ सुगुठकृयतनसिनगगधसिया आदिदूधयसम्य
धना ॥ ॐ ॥ २ ॥ ॥ नगः जीमासुहेसजि ॥ दाह ॥ ॐ आहं हं हं ॐ नमः

ॐ नमः ॥

ॐ नमः ॥

॥ स्वराः प्रीनुवि मयउसाकृते ॥ यज्ञायजि के यज्ञसीलायः सत्यकृयसीरवउत ॥ स्व
रा मखायि स्व हसि वसिः यज्ञातः ॥ यद्याः द्या द्यी द्या द्यययि द्यूनः यी जामियत
स्यैकसा हसिनः यी यज्ञाहान अववसिया ॥ ॐ ॥ सुवृजकुना कृसीरुगयहं नः
यिसा जामा नृययसाकृते ॥ दाकदाकि-यादिः अरुसमस्यानः ॥ नंदवसि गृद्धा
गृद्धरुउत ॥ ॐ ॥ समया ती कउमा कृसिद्धि नः सुखसीरवयदयि मधिस ॥
जयेवजयवहजययिवयनः जिगयमागिकामन सयन ॥ ॐ ॥ दानयगि सु

रविचन्द्रवि

ईकाजमिद्विनः मनातयसुखयद यदसात्रिनश्चातसीसात्रकथागतहयनः सु
हाहायंकासुसुखवर्तुत्र ॥ ५२ ॥ १० ॥ ॥ **साय नमो नमो** ॥ विवि
हविहनुनमाः सुविमसिदने २ देवानसजसुसुतगताहवनहउककना २ नये।
यिननममिमीस्यसुविना २ कजआगा धासात्रिमा भतसमृगना ॥ ५३ ॥ वज
वात्राहिरातिगद्य कथश्च किरवितवितस्य तः समप्रसीरमलि ॥ ५४ ॥ एमक
कहनुविममनश्चकुरुश्चकनननायधः नायविखातु ॥ ५५ ॥ दाम

रुद्ररुद्र

हजधनानेः यत्रियद्वदने २ नितसहाथगगद्यउरुतिनु ॥ ५६ ॥
॥ **साय नमो नमो** ॥ हंहंहं देहयनः सीसातक २ दामातिगीधजगी
धन ॥ हयजातकना हंहंहं गना ककहंहंहं ॥ ५७ ॥ सुतनुसयदिहः सता
नवतश्चसमविनयधक गकता ॥ ५८ ॥ एवविमक कविहहसास २ उरुगु
ह २ कारिपात्र ॥ ५९ ॥ नमामिनमामि श्रीहवजा २ उरुगुन २ विधियात्र ॥ ६० ॥

रुद्रकि

॥ १२ ॥ ॥ **साय नमो नमो** ॥ वक्रिकै छतकै छिन्नकैः मयन

२२

दायकः ग्रीष्मः शुक्लः सप्तसिन्धुमात्रा २ सप्त उक्त विज्ञेय एषा विदुषि नः गमहा उक्त
सिन्धुः श्रीवा २ मं मृ गसिहः स्वदमात्रकाः २ ग्यनाथसहज उता सा ॥ अ ॥
वज्रकर्णक हार्थः ॥ सिन्धुः ॥ थायितहः खली ग्य २ मं यतजा गीष्मः कमसवि
हसिग्यः ॥ मरुसु ॥ मसिप्रभाद ॥ अ ॥ वज्रवाताहः ॥ आसिगनसं सः ॥ ना
उयिवहः विहः ग्य २ मं यतजा गीष्मः ॥ अ ॥ वज्रवाताहः ॥ आसिगनसं सः ॥ ना
॥ अ ॥ मरुसु ॥ मसिप्रभाद ॥ अ ॥ वज्रवाताहः ॥ आसिगनसं सः ॥ ना

२३

गमः ॥ रुक्मः ॥ श्रीवा २ मं मृ गसिहः स्वदमात्रकाः २ ग्यनाथसहज उता सा ॥ अ ॥
॥ अ ॥ वज्रवाताहः ॥ आसिगनसं सः ॥ ना
मिथीजागमत्रः ॥ यमवनी ॥ मिथीनहः गादवीः ॥ गिहवनयविम ॥ अ ॥ य
रुक्मः ॥ रुक्मः ॥ श्रीवा २ मं मृ गसिहः स्वदमात्रकाः २ ग्यनाथसहज उता सा ॥ अ ॥
उता ॥ रुक्मः ॥ श्रीवा २ मं मृ गसिहः स्वदमात्रकाः २ ग्यनाथसहज उता सा ॥ अ ॥
वज्रवाताहः ॥ आसिगनसं सः ॥ ना

२०॥ १॥ १॥

श्वत्रः सिद्धि सिद्धि व सदा यमी २ इति गत त्रि र या य ख यी क त दान य ह न
य ह मा क य द ॥ ॐ ॥ १॥ ॥ नाग रे त वि ॥ दा त ॥ न मा मि न मा मि १ ध
मि वा रु वा ग्य श्व त्रः स्वा उ म द्वा त य सि म दि गा २ द ग ल स न क न र्नु नी
का नाः स व द व य सि म दि गा ॥ ॐ ॥ आ हा ग ह र ह र ना हा वि ग ग ह र न
आ हा गा ॥ न मा मि न मा मि वा ग्य श्व त्र म धुः पु ग्रा यी नि वा सि ग २ स ख वि मा हि
ग द र व वि ना स नः पु ध मा मि जि न व के श्व त्र ॥ ॐ ॥ १॥ ॥ नाग रे त

२०॥ १॥ १॥

वि ॥ दा त ॥ ग ज जि न उ द हा थ य त्रियाः कम ल क त्रि स र्ज क वा क त २ द म क
क त रि क थ त रि स नाः वा म ख ली ग क या ना गा श्री सि म ना द य वा क त रि उ
का जा द ना क त २ मा त यि न रा यि या ति त मा न याः स रु ज स रा व ल ना सि न
॥ ॐ ॥ या स र्ज त क म डा हा द म हा थ य त्रिया उ न त रि त मा ना र वि म क त्रि स र्ज
अ र्ज न ज गा र ह थ र्ज त म ख उ म दा २ आ ति द्वा य ह रे त व रा य यि त स रं
का ति ना ति दि न म डा २ नि त ह ति ग ना हि ग क न काः म य उ म ख अ ति रि

कनाकर ॥ ॐ ॥ कुमिसि विनी विसम्भत नायक गिनि यकुमाहा विनी विना

॥ ॐ ॥ ककर नसीह यदिते विसम्भत लंज यिसय तसं साकर ॥ ॐ ॥ १५ ॥

॥ ॐ ॥ **गगना ॥ दास ॥** आतिरुत नय उरुय यिय उमा ता ॥ आथ वीदनया

मिमुख गिहाय ॥ नाययि रुक्म नेना माद विसहिता ॥ ॐ ॥ अथ या गिधि

महायद किह मागा ॥ ॐ ॥ कसूव नन गदुःखा एगं लज धन ॥ वायु रत मी

वसयिं गत्र कगा ॥ ॐ ॥ उकि ककुत के धिना वकु म्य सत्र हसि गा २

वित्ति वित्ति खद्यु श्री आसी कृगा ॥ ॐ ॥ गमरु यिय मत्त मरुजा आनी दे

विहवन मरु लायः यत्त हाथ क मरु कि ॥ ॐ ॥ १२ ॥ ॥ **गगना ॥**

श्री ॥ दास ॥ गज मुख गिनय नी गद वयु दवत्त ॥ निहा द्विय र्हि गन्य हस

ता ॥ हल मनि मरु ॥ नना एतना रुक्म न कि तन सी कासा ॥ मासिया विक्रमा

सिया इह य ॥ मासिया इह य विहा हल न्य ॥ मासिया माता ॥ मात सी कासा

कर वय मरुदः खरु हसि गासा ॥ यत्त रु भुवा मरु सवज ॥ रिदि रुया दजा

11

काष्ठा

五

三

90

30

五

...

十

१५६३

नननिर्लेजनदविः पुनयागुदवीः अन्यकुसुमावा ॥ ५५ ॥ धुनसुतलन
 लेजनदविः पुनयागुदवीः अन्यकुसुमावा ॥ ५५ ॥ धुनसुतलन
 निदविः माकुमागदविः उक्तयुविसुतन ॥ ५६ ॥ २० ॥ रमागुदवीः ॥
 दिनातनददे ललानमेगुतकात्रीः नाकाकनीविदः ॥ ५७ ॥
 गनददे ललानमेगुतकात्रीः नाकाकनीविदः ॥ ५७ ॥
 कैकामिकावैः करोगमदेः ॥ ५८ ॥ नागा ॥ कृव

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

नानिहिन वामका नः ल्यस व्यस्य र्गै रना माह स ग सा ३
 ना ग थ्य हि र्व मा हा वे वि रे या सा ३ रि ह व न ना या कृ व न
 वि रा ॥ ५ ॥ न मा मि श्रा च उ म दा सा घ ने ३ का न मृ उ द्रा
 ३ दि ता ॥ वि श्व ना थ वि स्र व्या पि ना ३ वि रै वि क म्म दा
 ३ या ॥ ५ ॥ कृ नि हि र्व ना ग म उ ग य र्व दा ३ र्द न क ना या वि
 क र ना ३ पु दि न् कृ व ना व्य क र न य ना ३ वि री स ग सा

१२ गुः ॥ ना व व मा या पू न द ल ह क्रा ॥ २ ॥ उ पि मा वा
ह रे ना ॥ स म र स मा या ना ग वि मो दा ॥ ह न ना ग स मा
द दा ॥ ३ ॥ त र ह न ना य द गी न मा त्री ॥ क यूर ना पू द
न न ऊ न का वा ॥ ४ ॥ स र न ल ना ग व दि न व न ॥ ना य ह र स
ल स व ना वि ना ॥ ० ॥ १ ना ग ॥ क न दि क र ॥ हिल ह का ल प
क नी म वि ल ॥ ६ ॥ उ द्ध पि ग र क स ॥ गी ह व द वा या ॥ ८

२५ कषदिग

2853

मम कालकाशी शान्त गंगादेवि साने लखन देवि साने
कपाल भव ॥ ॥ कार्त्तिके विजोदिन ॥ ॥ वाग नमः ॥
आदित्य काल नमः ॥ ॥ हस्मादेवि साने साने
सर्वमम विदेह नमः ॥ ॥ नमः सिलमाया ॥ ॥ बुद्धा
यत्र ०० ३ ॥ वाग यत्र उ वल्लभ ॥ ॥ वल्लभ
॥ ॥ वाग यत्र ॥ ॥ नमः ॥ ॥

पानीः वा वादेद वि॥ के वदने दो वे सा ॥ ४४
॥ क वर प्र भ बी नः के का व मूर गे ॥ ए न मा मि
न ला प्र स ग ना ॥ ५॥ वा ग मा ल ॥ उ के व द न म व गू र
व क या १ व उ क र व गू प र क ग प ल व न भ बी ॥ ५॥ न मा । म
म र्क ला प र नी न ग वी ॥ ५॥ द दि न ला ग ल य नि वा म स
प्रा म सा का व १ स ग लु ल मा उ उ का नी न हि मा वा ५॥ ५॥ ह र्मि ह

का ल वा या वि म्भ वा पे ना १ म्भ म्भ ह वा वि द वी न द ल ना ॥
व न भ व उ सा वि ना १ दा स ह न यि या १ स ग गू र व व न मा र्म मि दि
व र्म प सा दा ॥ ५॥ १ वा ग म्भ म्भ ॥ ५॥ म्भ दि न क्का दि द म्भ मि म्भ दे वी
म म्भ म्भ ल स म्भ मि न व य ना ॥ ५॥ दा स म्भ ल व उ व द न
व न वा वा दि क्का वी ग ना ॥ ५॥ ह र्म ह र्म ह र्म न मि ग र्म
स य व म्भ ल वा वि या व ॥ ५॥ द द क्का वी ग न न

नवः तावायेतामसंमल वाया ॥ **कुर** ॥ वृत्तिस्वयं
प्रतिप्रवाः कलानेतामवृत्त रसातिगा ॥ **कुर** ॥ मध्य
प्राप्तनकपालस्वत्वीत्यः पास्तपयस्व क्रासिप्रवा ॥ **कुर** ॥ पंके
कितययमकनगावकृष्टसंतामृडात्ताह्वनरुधिगा ॥ **कुर** ॥ ग
वीकावेदयिक्तावीरुवापायेः व्यावचमनवसुनकृष्टम ॥ **कुर**

नलोप्तिमावास्तवः ॥ श्रीसंमलदेववृत्तिहेतुकवृत्तादिगा ॥ **कुर** ॥
कलमकवमप्रावः उरुपाविसुलनः ॥ गवक्षयलमाश्रवदागिगा ॥ **कुर** ॥
वागहोलावे ॥ निवाकनवेः ॥ वृत्तिहेतुमूरव ॥ ग ॥ तास्तप्येद
वेडकास ॥ उगमकेतागयः कवस्तमूरव ॥ कपावृष्ठाहेतवः
तमाः गिकाः गतवागमाथ ॥ ग्राहो ॥ पूर्वदिगीवमः
उलम्भनः ॥ दायेवक्रायनिर्दसासभि ॥ हेतवमादाका

नपागेकमावाः। वेवकूदपमास्तदकूकूकूने॥ यदेव
प्रकृवीववीरुधियाः। यमनिहागेहिमागेकाना॥
। स्वनगीकूवस्वानः। मयनः। यमावगना॥ ५॥ दकि
न। दगमयनः। गदास्तममस्वानः। दविवावादिमादिवासाते॥
५॥ यदिकम। दगमयनकूवाकूलस्तमस्वानः। दवि००। उ
यसिग्रहवाहाने॥ ५॥ ३ उस्तादगमयनः। कवकूलस्त

मस्वानः। दविमहम्वगीकूववाहाने॥ ५॥ कूयूकानः।
कूवदास्तमस्वानः। दविमागीमयूवासाते॥ ५॥ नेस्तय
कानाः। वाक्किवममस्वानः। दवि। विषूविः। गदुडास्तनि॥ ५॥
वायूवाकानः। द्यावाथकस्तमस्वानः। दविवापूदापदावा
हाने॥ ५॥ ००मानकानः। कूलस्तमस्वानः। दविमहा
ना। क्रोमेहासाते॥ ५॥ ॥ १५॥ गहलवि॥ उविमहहगः

वनमहाभाकपुस्तकः दसयितृकस्तवाभिपदे ॥ **कुर** ॥
कुरुवामस्तनहयवधनहनमावयः पस्तमागामममय
पस्तमउव ॥ **कुर** ॥ न। हवदसमहायानस्तयामस्तवाभिः
विनमनयापनस्तय ॥ **कुर** ॥ दसयितृकस्तवावस्तउवह
नयनानृकस्तवाभिपदे ॥ **कुर** ॥ उं सर्वगभगनपृकनया
मनः द्यागयामनयापनन ॥ **कुर** ॥ पृइपाहस्तदादिगपव

मा २

ॐ

मिगु ४ कस्तकवीमपवीराहमव ॥ **कुर** ॥ कस्तमउदकम
दूनामिनकमवा ४ किनकस्तसमयागामावयिपदे ॥ **कुर** ॥ मे
ठा नईईईदपनस्तकः पंदसवलगोमपवीरामस्त ॥ **कुर** ॥
नमापि ४ नमापिषावकस्तसमवः गुववाहकविनदव
हवीया ॥ **कुर** ॥ मनगुवस्तनकमवपसाद - ॥ **कुर** ॥ गुववा
धीपद ॥ **कुर** ॥ १ वाग ॥ **कुर** ॥ मपनिमदिनमधुस्तवका ॥ उदि

पञ्चपदाकविमान ॥ ५५ ॥ सप्तमिनादेन ॥ ५६ ॥ यमनका १ ॥
उत्तरवर्ग ॥ ५७ ॥ वरुणमना ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ यमनका १ ॥
यमनका १ ॥ ६० ॥ यमनका १ ॥ ६१ ॥ यमनका १ ॥
नामा ॥ ६२ ॥ यमनका १ ॥ ६३ ॥ यमनका १ ॥
नामा ॥ ६४ ॥ यमनका १ ॥ ६५ ॥ यमनका १ ॥
नामा ॥ ६६ ॥ यमनका १ ॥ ६७ ॥ यमनका १ ॥
नामा ॥ ६८ ॥ यमनका १ ॥ ६९ ॥ यमनका १ ॥
नामा ॥ ७० ॥ यमनका १ ॥ ७१ ॥ यमनका १ ॥

हिर्यनरुगापोरेम ॥ ७२ ॥ यमनका १ ॥ ७३ ॥ यमनका १ ॥
विपुनिन ॥ ७४ ॥ यमनका १ ॥ ७५ ॥ यमनका १ ॥
हिर्यनरुगापोरेम ॥ ७६ ॥ यमनका १ ॥ ७७ ॥ यमनका १ ॥
यमनका १ ॥ ७८ ॥ यमनका १ ॥ ७९ ॥ यमनका १ ॥
यमनका १ ॥ ८० ॥ यमनका १ ॥ ८१ ॥ यमनका १ ॥
यमनका १ ॥ ८२ ॥ यमनका १ ॥ ८३ ॥ यमनका १ ॥
यमनका १ ॥ ८४ ॥ यमनका १ ॥ ८५ ॥ यमनका १ ॥
यमनका १ ॥ ८६ ॥ यमनका १ ॥ ८७ ॥ यमनका १ ॥
यमनका १ ॥ ८८ ॥ यमनका १ ॥ ८९ ॥ यमनका १ ॥
यमनका १ ॥ ९० ॥ यमनका १ ॥ ९१ ॥ यमनका १ ॥

६३
यास्त ॥ ॐ ॥ सुच ॥ ३ हा गे हिलु कनमगा ॥ वरु वावादि म्हावी
गुन ॥ का रायि नाय ॥ ३ यि उरु गन हिलवा मिया ल्य ॥ ॐ ॥ ३
थरु वाता ॥ करु न क वावा ॥ रु प म्हा वि गन हिलवा वन ॥ वा रु
यि म्हा व ॥ यि उरु गन हिलवा मिया व ॥ ॐ ॥ ३ थरु वाता ॥ या म
म्ल ॥ वरु वावादि म्हावी गन हिलवा मिया ल ॥ ॐ ॥ वा गन
नय ॥ म्हा वि वा व व ठ न म्हा सि ना ग म्हा वि ॥ र व प ल म्हा द मा व

महाविनायक

वाद्य व म्हा विना ॥ ॐ ॥ न नाना ॥ न नाना ॥ न नाना ॥ न मा मि ॥
गार व र्म म्हा का वना ॥ ॐ ॥ दा दि न क ल गे ध व वा म नि म्हा वा ॥
ल ॥ ॐ ॥ ह ल न ह वि ना द्हा ॥ ॐ ॥ म्हा ल मा व म्हा द्हा न द्हा ॥ ॐ
ल न व वा दे न ह व ह य ह व ना ॥ ॐ ॥ वि वि मि मि मि म्हा व द्हा य क
द द्हा ॥ ॐ ॥ व व ना वि वा मि न ॥ म्हा ल म्हा व ना ॥ ॐ ॥ वा म दि द्हा य ॥
ॐ ॥ ह्हा ह्हा म्हा ल व म्हा वि ॥ न लो ह म्हा क्हा ॥ ॐ ॥ व व व वा द

महाविनायक

वागे नयन ॥ काशी वदहुरय कया ॥ दव शी मरु का वदहं का
 नरुदोके ॥ बोधे सि वि वदना ॥ ॐ ॥ कया नरुप वरुय
 निरुव ॥ माव उय समरु वीना ॥ ॐ ॥ विपु दे दया पवी रान्ना
 वीरु : व्या चय म मरु दामाव ॥ ॐ ॥ सावीरु का वरुणी के नरुव
 मात नपा वी न मरु विवासा ॥ ॐ ॥ दन कया सा कि हा ॥ विउ
 गे क नि उ व कसा ॥ ॐ ॥ हरु ग मरु हरु न ॥ उ विठ दहा ॥

महा गेह्यकवा ॥ ५२ ॥ आदवमहाकावा ॥ ५३ ॥ नवनका ॥ ५४ ॥
 रुदवमलनसुवेना ॥ ५५ ॥ सुनउरुववनथानागतहन
 ववनक्रमवादेना ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥
 ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥
 ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥
 ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥
 ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

नेरुन व्यापेगममर्गदा ॥ ॐ ॥ मनेमयसाहेमः पुववदगादुःव
 कवधुः कमवाहन ॥ ॐ ॥ वेद्यवागसेदकः सन एव ह्यन पम्रः रु
 किमृकिववसेपाके ॥ ॐ ॥ कलनमनासुरः वागमनिमभुप
 विष्णुवेनासनगजम्भदा ॥ ॐ ॥ छाकललुनागवाहाः ममनाह
 वः वागमनिनेधेनिवासिना ॥ ॐ ॥ सनगुदवसनः गित्तगन
 द्धवेयाः नमामि श्रीगान्धर्वस्तपुद ॥ ॐ ॥ गगपद्रेकेये ॥
 या

शिदजवापयियागिलिदवेकवावी ॥ कमवद्वीसव्यनकर
 हुनावेयाव ॥ ॐ ॥ कागिलिउम्रवेनूखनहुनावेवाये ॥ नावाम
 द्धवेयाव कमवसपेवाये ॥ ॐ ॥ कपहकागिलिबपनयाये ॥
 मानेकवेवेदियावः जदियानसमान ॥ ॐ ॥ सलुनव्यवद्यता ॥ कावी
 कुनावे ॥ वहुसूर्यदियपकनहेदा ॥ ॐ ॥ रुनायेगुम्रवेरुमक
 द्धवेया ॥ नवयतालेमा ॐ उरुयनावेवा ॥ ॐ ॥ वागमद्वीनि ॥

समय १ लं श्रात्रा बीक कलु वल ॥ ५५ ॥ कुरु। रेकुरु। रेद ह व
३ ॥ सुसमा वस्य न क म ल व ॥ ५६ ॥ वरु ह यम श्रा व्र न र म
३ ॥ १ वि व स य स द ॥ उ म ह ॥ ५७ ॥ व न ना व क व व व र सिल ॥ ५८ ॥
५ ॥ क थ क म ल व ॥ ५९ ॥ सा स ग नि म्म ल व प ल र ॥ सा म्म न
३ ॥ सु र स य न व ॥ ६० ॥ ३ ॥ दि य दि र न ॥ ६१ ॥ क म स य ॥ का
३ ॥ न व व न र व क व ल ॥ ६२ ॥ हं हं हं दि प ग्म व क ह ग ना ॥

३ ॥ म व ल म लु ग य न व स ॥ ६३ ॥ हं हं हं श्रा नि म व ल न व ल ॥ य न
३ ॥ मा मि स ल न व र सिल ॥ ६४ ॥ ३ ॥ ग र वि र व र म य ॥ ६५ ॥ र य र य
३ ॥ वा य बी स य ल स र म्म ४ ॥ ६६ ॥ य य र म्म र ल ल ॥ ६७ ॥ व न र
३ ॥ य ल ह द ह प व २ ॥ ६८ ॥ न ना व यि मा ल नि व न ल ॥ ६९ ॥ न य द यो न व
३ ॥ र प ॥ ७० ॥ न न न न व र ग गि ॥ ७१ ॥ र य र य ह द न
३ ॥ र ल न स र व ॥ ७२ ॥ क ल ग क प ल क व म ल न ॥ ७३ ॥ र य र य

ॐ
ॐ
ॐ
ॐ
ॐ

दसमस्तानां पथि ४ राय वरुन नत्ता सिलमाया ॥ ॐ ॥ दय दय स्ता बहः
कगमसं सल्ल ॥ पनमा मे न्न वरुन वा रुनी ॥ ॐ ॥ वा गमा मि ॥
को लीये लो पथि य वा वा १ म म्म हिले के का वा ॥ ॐ ॥ घन को पथि ३
वा वा ॥ क कु नो के यो ये ल वा वा ॥ ॐ ॥ म व क क फ र वा रु यिया ॥
दो दे म्म यो ह न वा रु यिया ॥ ॐ ॥ नो रु व रु रु वा रु नो यिया ॥ ध म य
ना प्रियया ॥ ॐ ॥ रु नी का नी रु यो नो यो यि ॥ इ म रु वा रु न यी

ॐ
ॐ
ॐ
ॐ
ॐ

या ॥ ॐ ॥ रु व स म क रु नी मे रु ॥ क थ र वा व न यो यिया ॥ ॐ ॥
मा लो ये ०० ध न मा वि रु ल ॥ नो रु व रु रु वा रु यिया यिया ॥ ॐ ॥ प
म न क रु क ल न ॥ ग्धु धा म्म ध न म्म नो यो यिया ॥ ॐ ॥ नि ल म्म रु
म ग रु दा नो यिया ॥ नो रु रु ग्धु वा जान प न मा मे यो ॥ म ल रु रु ॥ ॐ ॥
वा ग रु लो व नो रु रु ॥ ए नो वा य नि रु व रु रु वा रु रु ॥ लो व
मा सेवा ये ल रु रु वा य रु रु वा ॥ ॐ ॥ रु म क रु यो रु रु म न

गोपबन्धु

हिव उमावा ॥ ५५ ॥ वागच्छमाह नवादे लच्छा देया ॥ ५६ ॥
वामदेह न कस्तमुवावपापि ॥ इल्लयिवल्लानल्ल लच्छा नैकायि
या ॥ ५७ ॥ पल्लयच्छ उपायिल्ल ॥ वरुपवनायेगमनोयेयसुताग्य
वागनागका ॥ शनूममल्लमाज्यः ॥ दधिगहकावा ॥ लोपिकावीहियि
वापयिहयका ॥ ५८ ॥ नमामिने वावेम ॥ उरुवननाया ॥ व
रुवावाहिल्ल वागनल्लदय ॥ ५९ ॥ वरुववव व उवदननिनउ ॥

वज्रजिनि

वज्रजिनि

विश्वकूचीसुतद्वयउरुका ॥ ६० ॥ जाकिने वामारवववाहल्ल
पिनि ॥ वउदोवकिदोविवासा ॥ ६१ ॥ उमियवदमूडा ॥ व
उमैविल्लम्वर ॥ एनायि ल्लपप्रवहल्ल वकादाह ॥ ६२ ॥ वाग
कदा ॥ मवयवकेगमल्ल ॥ वरुका गिल्लिल्ल वरुवाया ॥ उउवन
नाथदहिल्लमपान ॥ ६३ ॥ पित्रायिल्लमदारा ॥ मदाहल्लवकवीर
वरुदोविदवाया ल्लवद्वानि ॥ ६४ ॥ उरुयिल्लमवमवम

श्री गणेशाय नमः

कवीया ॥ पीठे ग्निहस्तप्रविहवाय नमो ददौ ॥ ॐ ॥ सुनाडकप्रभा
दन्व उथामिहैष्यक ॥ १ ॥ जानम्वविमसालसमृद्ध ॥ ॐ ॥ वागना
कक ॥ उत्तगमस्तः ॥ धनर्वै भवाग ॥ १ ॥ शुवेषुपशम्भः ननमृन्
गमना ॥ १ ॥ सैग्यमृन्मः ॥ वेनल्लंगवाप्ति ॥ नानायमृन्कः कनवी
वउमृकि ॥ नारा ॥ पागल्लका नरः ॥ मरवाधिया ॥ १ ॥ सिचा
कागिर्वैचदकनल्लनुदवि ॥ ॐ ॥ नमामिछीवाकम्भवाति

१ नमस्तुते ॥

उवननाथ ॥ ॐ ॥ होवहल्लवुक्ता ॥ ॐ ॥ डादिह्लाकपावा ॥ १ ॥ नाग
दकग नवीदिगववन ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ उक्तामेमल्लनैपापहवम्भ ॥ ॐ ॥ व्या
धिदावेदइ-रवहवना ॥ ॐ ॥ मरवाव निवनधर्ममृन् ॥ ॐ ॥ श्रीवा
कम्भवः ॥ इमरुर्मसुवना ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ नमस्तुते ॥ वववम
वामय ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
कमलसवव ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥

सहस्रकर ॥ ॐ ॥ समस्त ॥ शब्द ॥ ० ॥ कृपा ॥ ॐ ॥
 समभिगुन ॥ ॐ ॥ अक्षय ॥ हृत् ॥ ० ॥ कृपा ॥ ॐ ॥
 समगो नमन ॥ ॐ ॥ कि नवव ॥ कृषि ॥ ० ॥ कृपा ॥ ॐ ॥
 दहवत् ॥ ॐ ॥ नथना ॥ मंशुका ॥ ० ॥ कृपा ॥ ॐ ॥
 कननस्त ॥ ॐ ॥ मुदिन ॥ विवासि ॥ ० ॥ कृपा ॥ ॐ ॥
 धुमाग नृ ॥ ॐ ॥ निरुत्तम ॥ कृपय ॥ ० ॥ कृपा ॥ ॐ ॥

कृषीसकर ॥ ॐ ॥ सन ॥ शब्दे ॥ ० ॥ कृपा ॥ ॐ ॥
 गीवहस्त ॥ ॐ ॥ पल्लव ॥ ० ॥ कृपा ॥ ॐ ॥
 वांमं कं नल्लरवयं ॥ ॐ ॥ पायल्ल नव ॥ ॐ ॥ कृपा ॥ ॐ ॥
 द ॥ ॐ ॥ मं वं ॥ उदं ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
 नां मयि ॥ ॐ ॥ नं ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
 थिं ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥

वंसं सर्वदं नै ॥ वल वली नोई दमं दं ॥ हां सं सं सं वंदं नै ॥ ५ ॥ मंदय
 वं मयिं वयिं वं नै ॥ नंद नं थं सु कां यी ॥ गंग नं मय सं वं मय ॥ हा
 सं सं वंदं नै ॥ दं वयिं सु रं वं नै ॥ वीं दं यिं दं मं वं ॥ हं नयिं मं वं उं वी ॥
 त्रिं दं वं नै सु रं वं वं ॥ ६ ॥ वाग हे ल वि ॥ दा व वं वं वं का व ॥ व उं
 म्म स्या न सिल स वृ का ॥ वा स्रा के ना म ॥ गं गी न म द्या ॥ म द्या ल
 म्म स्या न ॥ नृ ग्म व क वृ का ॥ नृ नि क क क ना म ॥ ७ ॥ ॐ नृ

मङ्गल उः वीङ्ग वाय नाङ्ग साः दीङ्ग वित्रीः वीङ्ग दन्व निरी ॥ ७ ॥
 अङ्ग हाम्म स्मानः द्वाङ्ग शुभ विरी ॥ ८ ॥ नाङ्ग यिम्प ह्म नद ॥ ९ ॥
 केङ्ग लिङ्ग वाः वीङ्ग न म्प वाः द्वाङ्ग कल्मस्मानः कङ्ग न कन
 गम् ॥ १० ॥ कङ्ग कर्त्तवाः वङ्ग क म्प वाः म्प लिङ्ग नाङ्ग म्पः वङ्ग कर्त्त
 वा ॥ ११ ॥ अङ्ग हाम्म स्मानः म्प वाङ्ग न म्पः वङ्ग उ म्प वाः व
 ल्म दिङ्ग वा ॥ १२ ॥ ल्म लिङ्ग न म्प स्मानः वल्म दिङ्ग वाः वल्म

नमः साः प्रसायर्पना गम ॥ **कु** ॥ द्यावा भवकस्मस्त्यनः पु उ व द
काः क्लृप्त नागमः पूर्व नल्लभया ॥ **कु** ॥ किं विरवावाः उरु न
दृक्काः दृवी क नागमः वध नमया ॥ **कु** ॥ द्वाद ग्न हृताः द्वाद स उ
वनाः व उ बुक्का वदनाः द्वाद स न यना ॥ **कु** ॥ न नयिक हं माः
वाय ह स म्वत्तः कावी वा वि विष्टः वाया ये वदना ॥ **कु** ॥ वाय य
मर्त्त स मय यवः मर्त्त व सै पूर्वः द्वाद स ह व वृत्ता यिया वी द्वा न उ क

ॐ नमः श्री सप्तम व द्वा गति ॥ आय वा कु वि द वि ना हू ने श वा वि ने वा या
मर्त्त स म्वत्त यि नि ॥ वा वि मा व व उ वा यिया वा ॥ **कु** ॥ काय वा कु वि द वा नि
वि र व न ॥ उ न पु गिया हू व क्लृ व ना हू ॥ **कु** ॥ ता गि ता गि ता गि ता म
वया - स म ल्ल स रा वा क्लृ व स म्वा ने द व ॥ **कु** ॥ ० ॥ स्वा स्ता ॥ स
च न ॥ ० ॥ सा वा ट द स या च था क्लृ ॥ म वि न वा य न्ने न का
ॐ ० रा ग या गा व द्वा वा र्थ गा ध न या नि श न वा स वि या ॥ मर्त्त व क्लृ
द वा ॥ ० ॥ ॥ मर्त्त व क्लृ ॥ मर्त्त व क्लृ ॥ मर्त्त व क्लृ ॥ मर्त्त व क्लृ ॥ मर्त्त व क्लृ ॥